Delhi Public School, Howrah

PERIODIC ASSESSMENT-II (2024-2025)

Class-X

Care must be taken not to write anything on the question paper. All the questions must be attempted in the correct sequence.

विषय : हिंदी - अ (002)

अवधि:- 3 घंटे **कुल अंक- 80**

सामान्य निर्देश :-

I. इस प्रश्नपत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग और घ ।

II.चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

III. लेखन कार्य में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखिए ।

(खंड-क, अपठित गद्यांश)

1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- **7**

साहित्य की शाश्वतता का प्रश्न एक महत्त्वपूर्ण प्रश्न है। क्या साहित्य शाश्वत होता है? यदि हाँ, तो किस मायने में? क्या कोई साहित्य अपने रचनाकाल के सौ वर्ष बीत जाने पर भी उतना ही प्रासंगिक रहता है, जितना वह अपनी रचना के समय था? अपने समय या युग का निर्माता साहित्यकार क्या सौ वर्ष बाद की परिस्थितियों का भी युग-निर्माता हो सकता है। समय बदलता रहता है, परिस्थितियाँ और भावबोध बदलते हैं, साहित्य बदलता है और इसी के समानांतर पाठक की मानसिकता और अभिरुचि भी बदलती है। अतः कोई भी कविता अपने सामयिक परिवेश के बदल जाने पर ठीक वही उत्तेजना पैदा नहीं कर सकती, जो उसने अपने रचनाकाल के दौरान की होगी। कहने का तात्पर्य यह है कि एक विशेष प्रकार के साहित्य के श्रेष्ठ अस्तित्व मात्र से वह साहित्य हर युग के लिए उतना ही विशेष आकर्षण रखे, यह आवश्यक नहीं है। यही कारण है कि वर्तमान युग में इंगला पिंगला, सुषुम्ना, अनहद नाद आदि पारिभाषिक शब्दावली मन में विशेष भावोत्तेजन नहीं करती। साहित्य की श्रेष्ठता मात्र ही उसके नित्य आकर्षण का आधार नहीं है। उसकी श्रेष्ठता का युगयुगीन आधार हैं वे जीवन-मूल्य तथा उनकी अत्यंत कलात्मक अभिव्यक्तियाँ, जो मनुष्य की स्वतंत्रता तथा उच्चतर मानव-विकास के लिए पथ-प्रदर्शक का काम करती हैं। पुराने साहित्य का केवल वही श्री-सौंदर्य हमारे लिए ग्राह्य होगा, जो नवीन जीवन-मूल्यों के विकास में सक्रिय सहयोग दे अथवा स्थिति रक्षा में सहायक हो। कुछ लोग साहित्य की सामाजिक प्रतिबद्धता को अस्वीकार करते हैं। वे मानते हैं कि साहित्यकार निरपेक्ष होता है और उस पर कोई भी दबाव आरोपित नहीं होना चाहिए, किंतु वे भूल जाते हैं कि

साहित्य के निर्माण की मूल प्रेरणा मानव जीवन में ही विद्यमान रहती है। जीवन के लिए ही उसकी सृष्टि होती है। तुलसीदास जब स्वांतः सुखाय काव्य-रचना करते हैं, तब अभिप्राय यह नहीं रहता कि मानव-समाज के लिए इस रचना का कोई उपयोग नहीं है, बल्कि उनके अंतःकरण में संपूर्ण संसार की सुख भावना एवं हित कामना सन्निहित रहती है, जो साहित्यकार अपने संपूर्ण व्यक्तित्व को व्यापक लोक जीवन में सन्निविष्ट कर देता है, उसी के हाथों स्थायी एवं प्रेरणाप्रद साहित्य का सृजन हो सकता है।

सोपान I. बहुविकल्पीय प्रश्न- **1X3=3**

I.'कोई साहित्य अपने रचनाकाल के सौ वर्ष बीत जाने पर भी उतना ही प्रासंगिक रहता है।' कथन के आधार पर उचित तर्क है-

(क) साहित्य की श्रेष्ठता मात्र ही उसके नित्य आकर्षण का आधार नहीं है

(ख) संपूर्ण साहित्य का स्थायी व स्पष्ट आधार नहीं है

(ग) लोक कल्याणकारी, स्थायी एवं प्रेरणाप्रद साहित्य होने की दशा में

(घ) पारिभाषिक शब्दावली द्वारा स्पष्टीकरण करने की दशा में।

II. 'साहित्यकार निरपेक्ष होता है और उस पर कोई भी दबाव आरोपित नहीं होना चाहिए।' कथन किस मनोवृत्ति को प्रकट करता है-

(क) सामाजिक कार्यकर्ता की विचारधारा (ख) साहित्य की शाश्वत क्रियाशील विचारधारा

(ग) समाज के प्रति वचनबद्धता का अभाव (घ) निरपेक्ष व्यक्तियों की सकारात्मकता।

III. साहित्य की श्रेष्ठता का निर्धारण सुनिश्चित करता है

(क) व्यक्ति को बहुमुखी प्रतिभा का धनी बनाना

(ख) लोक व्यवहार की पराकष्ठा पर प्रतिक्रिया देना

(ग) सांस्कृतिक व ऐतिहासिक विरासत को बाधित करना

(घ) पथ-प्रशस्त कर मूल्यों का समावेशन करके कला भाव जगाना

सोपान II. अति लघु प्रश्न- **2X2=4**

IV. कोई कविता अपने सामाजिक परिवेश के बदल जाने पर ठीक वही उत्तेजना क्यों पैदा नहीं कर सकती, जो उसने अपने रचनाकाल के दौरान की होगी?

V. पुराने साहित्य का कौन-सा सौंदर्य हमारे लिए ग्राह्य होता है?

अपठित काव्यांश

2. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- **7**

ले चल नाविक मँझधार मुझे, दे दे बस अब पतवार मुझे,

इन लहरों के टकराने पर आता रह-रहकर प्यार मुझे।

मत रोक मुझे, भयभीत न कर, मैं सदा कँटीली राह चला,

मेरे पथ के पतझारों में ही नव-नूतन मधुमास पला।

मैं हूँ अबाध, अविराम, अथक, बंधन मुझको स्वीकार नहीं,
मैं नहीं, अरे, ऐसा राही जो बेबस सा मन मार चला।
दोनों ही ओर निमंत्रण है-इस पार मुझे, उस पार मुझे,

रंगीन विजय-सी लगती है, संघर्षों में हर हार मुझे।
मैं हूँ अपने मन का राजा, इस पार रहूँ, उस पार चलूँ,
मैं मस्त खिलाड़ी हूँ ऐसा, जी चाहे जीतँ, हार चलूँ।
मेरे पतवारों पर साथी ! लहरों की घात नहीं चलती,
मेरी तो आदत ही ऐसी-संघर्ष-बीच हर बार चलूँ।
फिर कहाँ झुका पाएगा यह विप्लवमय पारावार मुझे,
इन लहरों के टकराने पर आता रह-रहकर प्यार मुझे।

सोपान I. बहुविकल्पीय प्रश्न- **1X3=3**

I. राही नाविक से क्या आग्रह करता है-

(क) वह उसे उस पार पहुँचा दे (ख) उसे नाव खेने दे
(ग) उसे मँझधार में ले चले (घ) उसे लहरों से टकराने दे।

II. राही नाविक से उसे भयभीत करने को क्यों मना कर रहा है-

(क) राही को भय नहीं होता (ख) राही सदा कठिन रास्तों पर ही चला है
(ग) राही बेबस लाचार नहीं है (घ) राही अपने मन का राजा है।

III. **कथन (A) और कारण (R) पर विचार करते हुए सही विकल्प चुनिए-**
कथन (A) - मैं इस पार रहूँ या उस पार चलूँ, यह मेरी इच्छा पर निर्भर है।
कारण (R) - मैं अपनी इच्छा से हारने-जीतने वाला मस्त खिलाड़ी हूँ।

(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों ग़लत हैं।
(ख) कथन (A) ग़लत है, किंतु कारण (R) सही है।
(ग) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
(घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

सोपान II. अति लघु प्रश्न- **2X2=4**

IV. राही अपनी कौन-कौन-सी विशेषताएँ बताता है?

V. 'दोनों ही ओर निमंत्रण है-इस पार मुझे, उस पार मुझे' पंक्ति के माध्यम से कवि ने किस आध्यात्मिक तथ्य की ओर संकेत किया है?

(खंड-ख, व्याकरण)

3. निर्देशानुसार वाक्य-परिवर्तन कीजिए- **1X5=5**

I) गर्मियों की छुट्टियाँ शुरू होते ही बच्चे कहीं घूमने जाने की जिद करने लगे।
(संयुक्त वाक्य में बदलिए)

II) परीक्षाएँ समाप्त होते ही बच्चों ने राहत की साँस ली। **(मिश्र वाक्य में बदलिए)**

III) जब-जब धर्म की हानि होती है, तब-तब प्रभु अवतार लेते हैं। **(सरल वाक्य में बदलिए)**

IV) तताँरा को देखकर वामीरो फूट-फूटकर रोने लगी। **(मिश्र वाक्य में बदलिए)**

V) आकाश में इसलिए तारों का मेला लग गया था, क्योंकि रात हो गई थी।
(संयुक्त वाक्य में बदलिए)

4. निर्देशानुसार वाच्य-परिवर्तन कीजिए- **1X5=5**

(I) बच्चे खीर बहुत चाव से खाते हैं। **(कर्मवाच्य में बदलिए)**

(II) वे तेज दौड़ रहे थे। **(भाववाच्य में बदलिए)**

(III) अध्यापक जी द्वारा पाठ पढ़ा दिया गया। **(कर्तृवाच्य में बदलिए)**

(IV) मैं गा नहीं सकता। **(भाववाच्य में बदलिए)**

V) आपके द्वारा उनके विषय में क्या सोचा जाता है? **(कर्तृवाच्य में बदलिए)**

5. निम्नलिखित पंक्तियों में निहित अलंकारों के नाम लिखिए - **1X6=6**

(I) फैली खेतों में दूर तलक,
मखमल-सी कोमल हरियाली ।

(II) वन-शारदी चंद्रिका-चादर ओढ़े ।

(III) मिटा मोहु मन भए मलीने,
विधि निधि दीन्ह लेत जनु छीने।

(IV) भूप सहस दस एकहिं बारा।
लगे उठावन टरत न टारा।

(V) लो यह लतिका भी भर लाई,
मधु मुकुल नवल रस गागरी।

(VI) हँसते-हँसते चल देते हैं पथ पर ऐसे,
मानो भास्वर भाव वही हो कविताओं के।

(खंड-ग, पाठयपुस्तक)

6. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- 1X5=5

यों खेलने को हमने भाइयों के साथ गिल्ली-डंडा भी खेला और पतंग उड़ाने, काँच पीसकर माँजा सूतने का काम भी किया, लेकिन उनकी गतिविधियों का दायरा घर के बाहर ही अधिक रहता था और हमारी सीमा थी घर। हाँ, इतना ज़रूर था कि उस जमाने में घर की दीवारें घर तक ही समाप्त नहीं हो जाती थीं बल्कि पूरे मोहल्ले तक फैली रहती थीं इसलिए मोहल्ले के किसी भी घर में जाने पर कोई पाबंदी नहीं थी, बल्कि कुछ घर तो परिवार का हिस्सा ही थे। आज तो मुझे बड़ी शिद्दत के साथ यह महसूस होता है कि अपनी जिंदगी खुद जीने के इस आधुनिक दबाव ने महानगरों के फ्लैट में रहने वालों को हमारे इस परम्परागत 'पड़ोस कल्चर' से विच्छिन्न करके हमें कितना संकुचित, असहाय और असुरक्षित बना दिया है। मेरी कम-से-कम एक दर्जन आरंभिक कहानियों के पात्र इसी मोहल्ले के हैं जहाँ मैंने अपनी किशोरावस्था गुज़ार अपनी युवावस्था का आरम्भ किया था। एक-दो को छोड़कर उनमें से कोई भी पात्र मेरे परिवार का नहीं है। बस इनको देखते-सुनते, इनके बीच ही मैं बड़ी हुई थी लेकिन इनकी छाप मेरे मन पर कितनी गहरी थी, इस बात का अहसास तो मुझे कहानियाँ लिखते समय हुआ। इतने वर्षों के अंतराल ने भी उनकी भाव-भंगिमा, भाषा, किसी को भी धुँधला नहीं किया था और बिना किसी विशेष प्रयास के बड़े सहज भाव से वे उतरते चले गए थे।

(I) भाइयों की गतिविधियों का दायरा घर के बाहर रहने और बहनों की सीमा घर होने का क्या अभिप्राय है?

(क) लड़कियों एवं लड़कों में आत्मीयता और बंधुत्व नहीं था।

(ख) भाई-बहन एक साथ ज़्यादा समय नहीं बिताते थे।

(ग) लड़कों को पूरे संसार की आज़ादी थी पर लड़कियाँ घरों के दायरे में सीमित।

(घ) लड़के अधिकतर मोहल्ले में भटकते थे जबकि लड़कियाँ घर में रहती थीं।

(II) 'घर की दीवारें घर तक ही समाप्त नहीं हो जातीं' से आप क्या समझते हैं?

(क) घर में आज की तरह दीवारें नहीं होती थीं।

(ख) पूरे-मोहल्ले को घर का हिस्सा माना जाता था।

(ग) पुराने समय में घर बड़े होते थे, न कि माचिस की डिब्बियाँ।

(घ) लोग खुले दिल के थे इसलिए अपने घर में अजनबियों को भी जगह देते थे।

(III) लेखिका ने अपने पात्रों के विषय में जो बताया है उसके अनुसार असत्य कथन है-

(क) उनकी आरम्भिक कहानियों के पात्र बाद के जीवन से आए हैं।

(ख) उनके एक-दो पात्रों को छोड़ दें तो कोई उनके परिवार से नहीं।

(ग) जिस मोहल्ले में उनकी किशोरावस्था बीती वहीं से लगभग दर्जन भर पात्र लिए।

(घ) आरंभिक कहानियों के पात्रों को देखते-सुनते उनके बीच ही लेखिका बड़ी हुई।

(IV) 'पड़ोस कल्चर' से अलग होकर हम कैसे होते जा रहे हैं?

(क) संकुचित, असहाय और सुरक्षित (ख) संकुचित, शंकालु और असुरक्षित

(ग) संकुचित, असहाय और संरक्षित (घ) संकुचित, असहाय और असुरक्षित

(V) कहानियाँ लिखते हुए लेखिका को क्या अहसास हुआ ?

(क) समय बीतने के कारण उनकी स्मृति अब क्षीण पड़ रही है।

(ख) इतना समय बीतने के बाद भी उन्हें वे लोग अपने हावभाव के साथ याद थे।

(ग) अपने परिचित व्यक्ति के बारे में लिखना आसान तो नहीं है।

(घ) समय के अंतराल ने उनकी भाव-भंगिमा, भाषा आदि को धुँधला कर दिया था।

7. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- 1X5=5

हरि हैं राजनीति पढ़ि आए।
समुझी बात कहत मधुकर के, समाचार सब पाए।
इक अति चतुर हुते पहिलें ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए।
बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी, जोग-सँदेस पठाए।
ऊधौ भले लोग आगे के, पर हित डोलत धाए।
अब अपने मन फेर पाइहैं, चलत जु हुते चुराए।
ते क्यों अनीति करें आपुन, जे और अनीति छुड़ाए।
राज धरम तौ यहै 'सूर', जो प्रजा न जाहिं सताए॥

(I) पद्यांश में 'मधुकर' शब्द प्रयुक्त हुआ है-

(क) भौंरे के लिए (ख) उद्धव के लिए

(ग) पुष्प के लिए (घ) गोपियों के लिए

(II) गोपियों के अनुसार चतुर हैं-

(क) उद्धव (ख) सूर

(ग) श्रीकृष्ण (घ) प्रजा

(III) पहले के लोग कैसे थे?

(क) वे दूसरों का कल्याण करते थे। (ख) वे दूसरों का शोषण करते थे।

(ग) वे दूसरों की बुराई करते थे। (घ) वे स्वार्थी थे।

(IV) गोपियाँ श्रीकृष्ण को राजा का कौन-सा कर्तव्य याद दिलाती हैं?

(क) वह प्रजा की बात सुने। (ख) वह प्रजा पर शासन करें।

(ग) वह प्रजा को समझाए। (घ) वह प्रजा को नहीं सताए।

(V) हरि हैं राजनीति पढ़ि आए। इस पंक्ति का आशय है-

(क) उद्धव राजनीतिशास्त्र पढ़कर आए हैं।

(ख) श्रीकृष्ण राजनीतिशास्त्र पढ़कर आए हैं।

(ग) श्रीकृष्ण अधिक चतुर हो गए हैं।

(घ) श्रीकृष्ण को राजनीतिशास्त्र का ज्ञान नहीं हैं।

8. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं <u>तीन</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 -30 शब्दों में लिखिए- 2X3=6

क) नवाब साहब ने बहुत ही यत्न से खीरा काटा। उस पर नमक मिर्च का बुरका छिड़का तथा सूँघकर खिड़की से बाहर फेंक दिया। नवाब साहब के इस व्यवहार को क्या कहा जा सकता है? स्पष्ट कीजिए।

ख) मन्नू भंडारी के पिता की कौन-कौन-सी विशेषताएँ आपको अच्छी लगीं? लिखिए।

ग) 'नेता जी की मूर्ति पर लगा सरकंडे का चश्मा, केवल चश्मा न होकर हमारी नई पीढ़ी के मनों में बैठी देशभक्ति का प्रमाण था।' 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आलोक में इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

घ) आपकी दृष्टि में बालगोबिन भगत की कबीर पर अगाध श्रद्धा के क्या कारण रहे होंगे?

9. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं <u>तीन</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 -30 शब्दों में लिखिए- 2X3=6

(क) कवि आत्मकथ्य लिखने को विडंबना मानते हैं। इससे उनके किन गुणों का पता चलता है? 'आत्मकथ्य' कविता के आधार पर लिखिए।

(ख) आपके पाठ्यक्रम की किस कविता में कवि की आँखें फागुन की सुंदरता से नहीं हट रही है? कविता के आधार पर फागुन की सुंदरता का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

(ग) सूरदास के मधुप और जयशंकर प्रसाद के मधुप में क्या अंतर है ?

(घ) 'अयमय खाँड़ न ऊखमय' पंक्ति में विश्वामित्र जी क्या सोच रहे हैं? राम-लक्ष्मण परशुराम संवाद' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

10. पूरक पाठ्य-पुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए- **4X2=8**

(क) "चाहे मैदान हो या पहाड़, तमाम वैज्ञानिक प्रगतियों के बावजूद इस देश की आत्मा एक जैसी। लोगों की आस्थाएँ, विश्वास, अंधविश्वास, पाप-पुण्य की अवधारणाएँ और कल्पनाएँ एक जैसी ।" साना-साना हाथ जोड़ि... पाठ के आधार पर बताइए कि लोंग स्टॉक में घूमते हुए चक्र को देखकर लेखिका को पूरे भारत की आत्मा एक-सी क्यों दिखाई दी?

(ख) जहाँ लड़कों का संग, तहाँ बाजे मृदंग, जहाँ बुड्ढों का संग, तहाँ खरचे का तंग। इन पंक्तियों के माध्यम से लेखक ने समाज की किस समस्या की ओर संकेत किया है? आपके विचार से इसके क्या कारण हो सकते हैं?

(ग) प्रकृति के अद्‌वितीय सौंदर्य का आनंद लेखिका ने जब पहाड़ी औरतों को पत्थर तोड़ते देखा तो उसे कैसी अनुभूति हुई ?

(<u>खंड-घ, रचनात्मक लेखन</u>)

11. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी <u>एक</u> विषय पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए - **6**

(क) मज़दूरों की समस्याएँ

संकेत बिन्दु - • उचित मज़दूरी का नहीं मिलना • कार्यस्थल तथा आवास स्थल पर सुविधाओं का अभाव • दक्षता के अनुकूल कार्य का नहीं मिलना • संघर्षपूर्ण जीवन

(ख) मनपसंद फ़िल्म की समीक्षा

संकेत बिंदु - • प्रसिद्‌ध सिनेमाहॉल में सिनेमा देखने जाना • घर आकर उत्साहपूर्वक फ़िल्म के बारे में सब कुछ बताना • स्वतंत्रता से अपने विचार व्यक्त करना • पात्र, अभिनय, कलाकार, पटकथा, संगीत आदि सभी पर टिप्पणियाँ करना

(ग) अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता

संकेत बिंदु - • अकेले व्यक्ति द्‌वारा बड़ा कार्य करने में असक्षमता • समान विचार/धारणा वाले व्यक्तियों को एकजुट करना • एकता से अर्जित उपलब्धि के उदाहरण बड़े स्तर का बदलाव लाना

12. आप सौरभ/सुरभि हैं। आपकी कालोनी में नगर निगम के कर्मचारी सड़क खोदकर चले गए और एक महीना होने को है, अभी तक कोई भी सड़क बनाने नहीं आया। आप इस समस्या का शीघ्र समाधान कराने का अनुरोध करते हुए अधिशासी अभियंता को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

<u>अथवा</u> **5**

किसी पर्यटन स्थल की यात्रा पूरी करके छात्रावास में सकुशल पहुँच जाने की सूचना देते हुए अपने पिता जी को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

13.आप निर्मल गुप्ता/निर्मला सिन्हा हैं। आप बी.सी.ए. कर चुके हैं। आपको एक मल्टीनेशनल कंपनी में सहायक कंप्यूटर इंजीनियर (सॉफ्टवेयर) पद के लिए आवेदन करना है। इसके लिए आप अपना एक संक्षिप्त स्ववृत्त (बायोडाटा) लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए। **5**

अथवा

आपका नाम रवि/रविना हैं। आपने ऑनलाइन कंपनी द्वारा कुछ सामान मँगवाया था। कंपनी ने घटिया सामान भेज दिया है। कंपनी के प्रबंधक को घटिया सामान भेजने के संबंध में चेतावनी भरा ई-मेल लगभग 80 शब्दों में लिखिए।

14.दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग की तरफ से लोगों को धूम्रपान नहीं करने का सुझाव देते हुए लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। **4**

अथवा

पर्यावरण-दिवस के अवसर पर अपने सहपाठियों को वृक्षारोपण के लिए प्रोत्साहित करते हुए लगभग 40 शब्दों में संदेश लिखिए।